सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

शुक्रवार 28 अगस्त 2026

E-PAPER: www.rashtrabaan.in

● वर्ष : 11 अंक : 112
● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

नेपाल बाढ़ में अब तक मिले 359 शव

मॉर्चुरी में रखने की जगह कम पड़ी, 288 भारतीय समेत 1500 लापता

राष्ट्रबाण काठमांडू | एजेंसी rashtrabaan.in

नेपाल में बुधवार को आई भीषण बाढ़ के बाद अब तक 359 शव बरामद किए जा चुके हैं। सबसे ज्यादा चितवन जिले में 132 शव मिले हैं। बड़ी संख्या में डेड-बॉडी मिलने से उन्हें सुरक्षित रखने के लिए जगह कम पड़ रही है। चितवन की मॉर्चुरी (शवगृह) में सिर्फ 50 डेड-बॉडी रखने की सुविधा है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत-बचाव और लापता लोगों की तलाश जारी है। करीब 1,500 लोगों की तलाश की जा रही है। भारत के 288 नागरिकों से अभी संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट में काम करने वाले 73 भारतीय भी शामिल हैं। बाढ़ में फंसे 21 भारतीयों को बचाया गया है, जिनमें से 11 की पहचान हो चुकी है।

5.2 तीव्रता के भूकंप जितना झटका

बुधवार सुबह 8:37 बजे नेपाल-चीन सीमा के पास तेज झटके महसूस किए गए। शुरुआत में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (एसजीएस) ने इसे 4.4 तीव्रता का भूकंप बताया था। लेकिन बाद में पता चला कि पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बर्फ और चट्टानों के साथ ल्हेंदे खोला नदी में गिरा था। ल्हेंदे खोला, भोटेकोशी नदी की सहायक नदी है। भोटेकोशी चीन से निकलकर नेपाल में प्रवेश करती है। बाद में एसजीएस ने भी स्पष्ट किया कि 5.2 तीव्रता के भूकंप जैसा यह झटका लैंडस्लाइड के कारण पैदा हुआ था।

शव मिल रहे, रखने की जगह कम

नेपाल में रसुवा की बाढ़ के बाद 289 शव बरामद हो चुके हैं, लेकिन अब उन्हें सुरक्षित रखने की चुनौती है। चितवन की स्वास्थ्य सुविधाओं में करीब 50 शव रखने की क्षमता ही बताई गई है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बड़े रेफ्रिजरेटेड कंटेनरों में अस्थायी शवगृह बनाए जा सकते हैं। हर शव का नंबर, फोटो और पहचान से जुड़ी जानकारी रिकॉर्ड करना जरूरी है।

बाढ़ में मौतों का आंकड़ा 332 पहुंचा

बाढ़ में मौतों का आंकड़ा बढ़कर 332 हो गया है। नेपाल पुलिस के मुताबिक, गुरुवार शाम 3 :50 बजे तक 8 जिलों से इतने शव बरामद किए गए। सबसे ज्यादा चितवन में 121 शव मिले हैं। इसके बाद पूर्वी नवलपरासी में 74, धादिंग और गोरखा में 29-29, नुवाकोट में 28, तनहुन में 19, रसुवा में 17 और पश्चिमी नवलपरासी में 15 शव बरामद हुए हैं।

परिसीमन को लेकर क्या कहता है संविधान

परिसीमन का अर्थ है निर्वाचन क्षेत्रों का सीमा निर्धारण या पुनर्निर्धारण, जिसे संविधान के अनुच्छेद 82 और अनुच्छेद 170 के तहत किया जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 82 के तहत हर जनगणना के बाद संसद परिसीमन आयोग का गठन कर सकती है। इसके अलावा अनुच्छेद 170 भी राज्यों की विधानसभा सीटों के परिसीमन से संबंधित प्रावधान करता है। हालांकि संविधान संशोधन के माध्यम से संसद इसे स्थगित कर सकती है, जैसा कि 1976 और 2001 में किया गया। संविधान संशोधनों (42वें, 84वें और 87वें) के कारण परिसीमन प्रक्रिया को 2026 तक रोक दिया गया है। संसद चाहे तो संविधान संशोधन के जरिए इसे और आगे बढ़ा सकती है या इसे पुन: लागू कर सकती है। इसके अलावा 2002 में परिसीमन आयोग का गठन किया गया, लेकिन लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या को 2026 तक स्थिर रखा गया।

पूर्व डीआरडीओ चीफ सतीश रेड्डी समेत 31 तीर्थयात्री तिब्बत में फंसे

पूर्व डीआरडीओ प्रमुख जी. सतीश रेड्डी और उनकी पत्नी समेत 31 तीर्थयात्री तिब्बत में फंसे हुए हैं। ये सभी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे। खराब मौसम के कारण उनकी वापसी प्रभावित हुई है। प्रभावित यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है।

सावधान! चीन से आ रही नई तबाही?

72 घंटों में टूट सकती है नेपाल-तिब्बत सीमा पर एक और झील; ओवरफ्लो शुरू

एक दिन पहले पड़ोसी देश नेपाल की उत्तरी सीमा यानी तिब्बत-नेपाल सीमा पर आई भीषण बाढ़ और त्रासदी के बीच अब एक और भीषण प्राकृतिक आपदा का खतरा मंडरा रहा है। चीन के अधिकारियों ने चेतावनी जारी की है कि इसी सीमा क्षेत्र के ऊपरी हिस्से में बनी एक बैरियर लेक (प्राकृतिक बांध से बनी झील) अगले 72 घंटों के भीतर टूट सकती है। यह झील चोचेन खोला और पुरेपु सांगपो नदियों के संगम पर स्थित है, जिसकी चीन का जल संसाधन मंत्रालय लगातार निगरानी कर रहा है।

चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग में अधिकारियों ने हिमालयी सीमा क्रॉसिंग के ऊपरी हिस्से में एक बैरियर झील से जुड़े जोखिम की पहचान की है, जो बचाव कार्यों को मुश्किल बना सकती है। सरकारी मीडिया के अनुसार, चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने आपदा स्थल के उत्तर-पूर्व में छोचेन खोला और पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम पर स्थित इस झील की निगरानी और आकलन बढ़ा दिया है।

पीएम मोदी का 29 अगस्त से दो देशों का दौरा

नईदिल्ली। पीएम मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की यात्रा करेंगे। वह 29-30 अगस्त को उज्बेकिस्तान की द्विपक्षीय यात्रा पर रहेंगे, जबकि 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिज में 26वें समिट में हिस्सा लेंगे।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

नेपाल में बाढ़, बिहार का गंडक बैराज 4 बार खोला

हर सेकेंड 79.3 लाख लीटर पानी निकल रहा; सीएम बोले- खतरा अभी टला नहीं

राष्ट्रबाण पटना | एजेंसी rashtrabaan.in

नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार को आई बाढ़ के बाद बिहार के गंडक बैराज से सुबह से 4 बार पानी छोड़ा जा चुका है। रात 12 बजे तक नेपाल की ओर से करीब डेढ़ लाख क्यूसेक, यानी क्यूबिक फीट प्रति सेकेंड पानी छोड़ा गया। बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं।

रात 12 बजे बैराज से 1 लाख 52 हजार क्यूसेक, सुबह 6 बजे 88 हजार, 7 बजे 92,900 हजार, 10 बजे 104,400, 12 बजे 106,600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। मतलब बैरेज से हर सेकेंड 79.3 लाख लीटर पानी निकल रहा है। गंडक बैराज पर नेपाल में हुई तबाही का मलबा भी दिखाई दे रहा है। पानी के साथ भैंस, फ्रिज और घरों का सामान भी बहकर आ रहा है। क्यूसेक पानी की प्रवाह दर की यूनिट है, पानी की मात्रा की नहीं। 1 क्यूसेक यानी एक सेकेंड में 1 घन फुट बह रहा है। 1 घन फुट पानी करीब 28.32 लीटर होता है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस बाढ़ के बाद गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, फ्लैश फ्लड आने की भी आशंका है।

न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का कार्यक्रम रद्द करने की कोशिश

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन का आरोप, कहा- सतर्क रहें; मेयर ममदानी समेत कई संगठन विरोध में

राष्ट्रबाण न्यूयार्क | एजेंसी rashtrabaan.in

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है।

एचएएफ ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है। दरअसल, भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी समेत कुछ संगठनों ने विरोध किया है। एचएएफ ने कहा, कुछ लोग कार्यक्रम को रद्द कराना चाहते हैं। इसके बाद एचएएफ ने मेयर ममदानी से कार्यक्रम की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

एचएएफ ने इमरजेंसी नंबर जारी किया

एचएएफ ने आरोप लगाया कि हिंदू-अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले कुछ एक्टिविस्ट कार्यक्रम को बाधित करने और रद्द कराने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, एचएएफ की एडवाइजरी में किसी आतंकी या हिंसक खतरे की पुष्टि नहीं की गई है। एचएएफ ने कार्यक्रम में आने वालों को विरोध करने वालों से टकराव से बचने और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी सुरक्षा अधिकारियों या कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने की सलाह दी है।

ममदानी समेत कई संगठनों ने विरोध किया

भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान मामदानी समेत कुछ इंटरफेथ और नागरिक अधिकार संगठनों ने विरोध किया है। मंगलवार को उन्होंने कहा था कि वह इस कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते। बांटने वाली विचारधारा का विरोध करता हूं। संगठनों में हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क शामिल हैं।

कानपुर में विमान क्रैश, पायलट और ट्रेनी की मौत : प्लेन में अचानक धमाका हुआ

राष्ट्रबाण कानपुर | एजेंसी rashtrabaan.in

यूपी के कानपुर में ट्रेनिंग विमान क्रेश हो गया। हादसे में पायलट और ट्रेनी की मौत हो गई। विमान ने गुरुवार सुबह 11:30 बजे उड़ान भरी थी। 11:50 बजे यानी उड़ान के महज 20 मिनट बाद गंगा बैराज के पास 5 फीट ऊंची बाउंड्री वॉल से टकराकर खेत में जा गिरा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान करीब 200-250 फीट ऊपर था। तभी अचानक हवा में डगमगाया और क्षतिग्रस्त हो गया। नीचे गिरते ही पूरा विमान टूटकर बिखर गया। पुर्जे दूर तक बिखर गए। हालांकि, विमान में आग नहीं लगी।

हादसे से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि जमीन में गिरने के बाद विमान मलबे में तब्दील हो गया। एक पायलट कॉकपिट के पास फंसा था। दूसरा गंभीर हालत में विमान से थोड़ी दूर खून से लथपथ पड़ा था। विमान की एक सीट भी टूटकर बाहर आ गई। करीब 12:15 बजे पुलिस-प्रशासन की टीम पहुंची। खून से लथपथ पायलट सचिन भाटिया (गुजरात) और ट्रेनी अभिषेक पुजारी (कर्नाटक) को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

अभी से खिलाड़ी तैयार करें; खेलो इंडिया डायलॉग में कहा- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा प्लेग्राउंड चाहिए

मोदी बोले- ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें। मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है। पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए।

पीएम के संवाद की बड़ी बातें...

नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर- 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है।

ओलंपिक में नए खेलों पर- देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है।

खेलो इंडिया संवाद पर- सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे।

स्पोर्ट्समैन स्पिरिट पर- स्वस्थ समाज और मजबूत परिवार के लिए स्पोर्ट्समैन स्पिरिट जरूरी है। खेल हमें चैंपियन के साथ बेहतर प्रतियोगी बनना सिखाते हैं। पैरा एथलीट्स की सफलता समाज और परिवारों में नई उम्मीद जगाती है।

शीतल और अवनी लेखरा की उपलब्धि पर- शीतल के आर्चरी मेडल और अवनी लेखरा के दो मेडल ने जम्मू-कश्मीर और देश को गौरवान्वित किया। झंडू कुमार समेत कई पैरा एथलीट प्रेरणा दे रहे हैं। फौजा सिंह ने 100 साल की उम्र के बाद भी फिटनेस की मिसाल पेश की।

स्क्रीन से ज्यादा खेल जरूरी- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। हर युवा की भागीदारी भारत की ताकत है।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

करियर चुनने से पहले क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

एक क्लिक पर एमबीए की जानकारी

एमबीए करना युवाओं के लिए सपनों के पूरा होने जैसा है, पर इसकी नैया पार लगाना आसान काम नहीं है। www.mbajunction.com एक ऐसी वेबसाइट है, जो आपके सपनों को पंख लगा सकती है। इस साइट से आप एमबीए (मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिन्सट्रेशन) की तमाम जानकारी हासिल कर सकते हैं। इस वेबसाइट पर फेशर और एमबीए कर चुके, दोनों के ही मतलब की जानकारी उपलब्ध है। जहां इस साइट पर फेशर यह जान सकते हैं कि वे किस-किस फील्ड में जा सकते हैं, वहीं किस कॉलेज में एडमिशन लें, देश और विदेश के कौन से कॉलेज में एमबीए कर सकते हैं, यह भी जान सकते हैं।

एडमिशन के लिए एग्जाम कब होंगे। एग्जाम के लिए सेंटर कहां-कहां हैं, जैसी छोटी-छोटी परेशानी तो यह साइट चुटकियों में हल कर देती है। लेकिन यह सब जानकारी लेने से पहले आप इस साइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। इससे नौकरी तलाश करने में भी आपको सुविधा होगी। एमबीए जंक्शन वेबसाइट खोलते ही आपको लगेगा कि एमबीए में अपने करियर को लेकर आप बेकार ही परेशान हो रहे थे, क्योंकि एक ही जगह पर आपको सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी। वेबसाइट खोलने पर आपको कई ऑप्शन नजर आएंगे। इसमें सबसे पहले एमबीए ओवरव्यू ऑप्शन है। किस बी स्कूल में आपको एडमिशन लेना चाहिए। एडमिशन का क्या तरीका है। एग्जाम कब होंगे। सेलेक्शन का क्या तरीका है। एडमिशन के लिए एग्जाम की डेट क्या है। देश के कई बड़े बी-स्कूलों के प्रोफाइल भी देख सकते हैं। एमबीए कर नौकरी के लिए कहां-कहां संभावनाएं हैं आदि। विदेश में कौन से अच्छे बी-स्कूल हैं। वहां आप कैसे जाएंगे। वहां पर एडमिशन के लिए आप क्या तैयारी करें। साथ ही कोचिंग इंस्टीटयूट के बारे में भी जानकारी उपलब्ध है। इसके अलावा ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम के बारे में भी जान सकते हैं। डिस्टेंस लर्निंग के बारे में भी सारी जानकारी इस वेबसाइट पर आपको मिल जाएगी। प्रतियोगिता के इस जमाने में हर पल अपने आप को अपनी ग्रूमिंग करना काफी जरूरी है। एमबीए जंक्शन में आप कैट की तैयारी कैसे करें, इसके बारे में तो जानेंगे ही, साथ ही इन एग्जाम में पेपर में मार्क्स देने की पद्धति क्या है, इसकी भी जानकारी उपलब्ध है। पिछले एग्जाम के पैटर्न भी यहां अवेलेबल हैं। उन्हें देख कर आप बेहतर तैयारी कर सकते हैं। बी स्कूलों में होने वाले फंक्शन और एक्टिविटीज के बारे में भी आप इस साइट से जान सकते हैं। साइट आपको विभिन्न बी स्कूलों व प्रतियोगी परीक्षाओं के रिजल्ट भी उपलब्ध करवाती है। मॉक टैस्ट के बारे में जान सकते हैं। कहां-कहां नौकरी के मौके हैं वह भी पता कर सकते हैं। विदेश में, खासतौर पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, न्यूजीलैंड में कैसे एडमिशन ले सकते हैं, इसकी पूरी जानकारी ले सकते हैं। आप अपनी वोकेबुलेरी कैसे बढ़ाएं, इंटरव्यू की तैयारी कैसे करें जैसी इंफॉर्मेशन भी इस वेबसाइट पर उपलब्ध है। ग्रुप डिस्कशन के लिए खुद को कैसे तैयार करें, यह भी जान सकते हैं। नौकरी हासिल करने के लिए इंग्लिश की जानकारी होना भी बेहद जरूरी है। इस साइट से आप एग्जाम में इंग्लिश की तैयारी कैसे करें और बाद में आपकी बोलचाल की अंग्रेजी कैसी हो, इसकी जानकारी भी आप इस वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। कहने का मतलब यह कि यदि आप एमबीए की तैयारी में जुटे हुए हैं तो यह वेबसाइट आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 28 अगस्त 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर | बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा | लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

बसों में पूरा किराया पर बैठने को जगह नहीं

रक्षाबंधन पर ठूंस-ठूंसकर ले जाई जा रही सवारियां, बहनें हो रही परेशान

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में रक्षाबंधन पर्व से पहले बसों में भारी भीड़ देखी जा रही है। यात्रियों को पूरा किराया देने के बावजूद खड़े होकर यात्रा करनी पड़ रही है। बस संचालकों पर आरोप है कि वे त्योहार की भीड़ का फायदा उठाकर यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर बसों में भर रहे हैं।

यात्रियों ने इस व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त की है। कटंगी जा रहे यात्री शिवदयाल ने बताया कि उन्हें पूरा किराया देने के बावजूद बैठने की जगह नहीं मिली और त्योहार के कारण उन्हें खड़े होकर यात्रा करनी पड़ रही है। कुछ अन्य यात्रियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि लंबी दूरी के लिए भी अधिक किराया वसूला जा रहा है।

परिवहन अधिकारी देवेश बाथम ने इस संबंध में बताया कि बस संचालकों को पहले ही निर्देश दिए गए हैं कि वे त्योहार के दौरान अधिक किराया न लें और बसों को यात्री क्षमता के अनुसार ही चलाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बस में ओवरलोड सवारी पाई जाती है या ज्यादा किराया लेने की शिकायत मिलती है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, बालाघाट जिले में रेल आवागमन के बेहतर साधन और कनेक्टिविटी न होने के कारण यात्रियों को लंबी दूरी के लिए बसों पर निर्भर रहना पड़ता है। यात्रियों की मुख्य नाराजगी अधिक किराए से ज्यादा इस बात को लेकर है कि किराया देने के बावजूद उन्हें बैठने की सुविधा नहीं मिल रही है।

राखी बाजार में भीड़

भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। इस अवसर पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी आयु और स्वस्थ जीवन की कामना करेंगी। त्योहार को लेकर बाजारों में राखियों की बिक्री बीते एक पखवाड़े से जारी है। रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पूर्व गुरूवार को राखियो की दुकानो में महिलाओ की खासी भीड़ रही। बहनों ने भाई के लिए अपनी पसंदीदा राखी खरीदी। राखियो में महंगाई पर भाई-बहन का प्रेम भारी पड़ा और बहनों ने रक्षाबंधन पर जमकर खरीदी की। नगर के सर्किट हाउस मार्ग, मेनरोड और चौक, चौराहों सहित गलियो में लगी राखी की दुकानो में भीड़ देखी गई। बाजार में डिजाइन और स्टाइल की राखियां उपलब्ध होने से खरीददारों ने भी पसंददीदा राखी खरीदी। चंदन, तुलसी, मोती, ब्रेसलेट, ज्वैलरी, कोलकाता कढ़ाई नजर बट्टू राखियों के अलावा शिवलिंग, खाटू श्याम, राधा कृष्ण के साथ राधे-राधे, श्रीराम लिखी राखी भी बाजार में मौजूद है। दुकानदारों ने बताया की इस बार राखियों की कई डिजाईन हैं। जिसकी डिमांड भी ग्राहको में है। विशेष रूप से भगवान की छवि वाली राखियों को खासा पसंद किया जा रहा है, बाजार में 5 रूपए से लेकर ब्रेसलेट वाली राखियां और चंदन तुलसी वाली राखियां 50 से 100 रू. तक की कीमत में उपलब्ध है। नगर में राखी सहित सर्राफा, कपड़ा रेडीमेड और मिठाई की दुकान पर भी खासी भीड़ रही।

एबीवीपी ने प्रत्यक्ष छात्रसंघ चुनाव की मांग की, मूलभूत समस्याओं पर चिंता जताई

कलेक्ट्रेट पहुंचकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन दिया

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने गुरुवार को महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

एबीवीपी ने कहा कि कई साल बाद छात्रसंघ चुनाव कराने की बात सामने आई है, लेकिन चुनाव प्रत्यक्ष होंगे या अप्रत्यक्ष, यह अभी स्पष्ट नहीं है। संगठन ने प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की मांग की है।

कॉलेजों की मूलभूत सुविधाओं पर भी सवाल

एबीवीपी ने महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं पर भी सवाल उठाए। संगठन के अनुसार कई कॉलेजों में पर्याप्त बैठक व्यवस्था नहीं है। लाइब्रेरी को अपडेट करने की जरूरत है और छात्राओं के लिए बेहतर शौचालय सुविधाओं का भी अभाव है। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कई जगह रैंप की सुविधा नहीं होने और कुछ विषयों की कक्षाएं नियमित रूप से नहीं लगने का मुद्दा भी उठाया गया।

वनांचलों में शिक्षा-स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने की मांग

ज्ञापन में वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी शामिल किया गया। एबीवीपी का कहना है कि इन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण वहां रहने वाले लोग मुख्यधारा से अलग-थलग पड़ रहे हैं। संगठन ने वनांचलों में बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की। एबीवीपी ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिला मुख्यालयों पर छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने, महाविद्यालयों की समस्याओं का समाधान करने और वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करने की मांग को लेकर ज्ञापन दिए जा रहे हैं।

लोकतांत्रिक अधिकार और नेतृत्व विकास का तर्क

जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल ने कहा कि प्रत्यक्ष चुनाव से विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर मिलेगा। इससे उनके लोकतांत्रिक अधिकार सुरक्षित होंगे और उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। उन्होंने कहा कि एबीवीपी लंबे समय बाद होने जा रहे छात्रसंघ चुनाव को लेकर उत्साहित है।

युवाओं को मिला प्रेरणा का संदेश

खेलो इंडिया संवाद में पीएम मोदी के साथ खेल की बात

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 'खेलो इंडिया संवाद - खेल की बात पीएम मोदी के साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप मां सरस्वती एवं युवा प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे एवं प्रो. सुखचंद्र ऐड़े के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी, मध्यप्रदेश शासन के अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य एवं पूर्व जनभागीदारी समिति अध्यक्ष मौसम बिसेन तथा नगरपालिका बालाघाट के अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से युवाओं से जुड़े। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने युवाओं को खेल और फिटनेस को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश देते हुए कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर जीवन, अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ राष्ट्र निर्माण का आधार हैं। उन्होंने 'जो खेलेगा, वो खिलेगा' का संदेश देते हुए युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की प्रतिभा को पहचानने के लिए व्यापक टैलेंट हंट अभियान की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी प्रशिक्षण और आगे बढ़ने के अवसर मिल सकेंगे। 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए युवाओं से अपनी सकारात्मक ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर उन्होंने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को स्मरण करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर

बालाघाट। जिले के आईटीआई प्रशिक्षुओं, अप्रेंटिस एवं कुशल युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा और तकनीकी दक्षता को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, बालाघाट द्वारा युवाओं को IndiaSkills Competition 2026-27 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। शासकीय आईटीआई बालाघाट की प्राचार्य श्रीमती सपना राहंगडाले ने बताया कि यह राष्ट्रीय स्तर की कौशल प्रतियोगिता युवाओं को अपने हुनर और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीयन पूरी तरह निःशुल्क है। इच्छुक अभ्यर्थी Skill India Digital Hub (SIDH) पोर्टल के माध्यम से लगभग 63 विभिन्न कौशल श्रेणियों में पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर 2026 निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता के लिए सामान्य कौशल श्रेणियों में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों का जन्म 01 जनवरी 2006 या उसके बाद होना चाहिए।

बालाघाट में 24 आदिवासी बच्चों की मौत का मामला : राष्ट्रीय जनजाति आयोग करेगा जांच

विभागों की भूमिका में चूक की होगी पड़ताल

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के बिरसा क्षेत्र में विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के 24 बच्चों की खसरा, मलेरिया और अन्य बीमारियों से मौत हो गई है। इस मामले की जांच के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने प्रभावित गांवों का दौरा किया। टीम ने मृतक बच्चों के परिवारों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया।

आयोग की टीम में विधि सलाहकार प्रकाश कुमार उइके, डायरेक्टर पुणेन्द्रुकांत और इंवेस्टिगेटर शिवप्रकाश शामिल थे। उन्होंने सोनगुड्डा, बोंदारी, कुंडेकसा, कोरका, गठिया और मछुरदा जैसे प्रभावित गांवों का दौरा किया। टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएससी), आंगनवाड़ी केंद्र और जनजातीय छात्रावासों का निरीक्षण किया।

उन्होंने मृतक बच्चों के परिवारों से बच्चों की बीमारी, इलाज और मौत के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान बच्चों में टीकाकरण, पोषण, पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी जुटाई गई। इस दौरे के दौरान महाकौशल वनवासी विकास परिषद के जनजाति सहहित रक्षा प्रमुख लखन मेरावी भी टीम के साथ मौजूद रहे। मेरावी ने ही आयोग को बैगा आदिवासी गांवों में बच्चों की बीमारियों से हो रही मौतों के संबंध में पत्र लिखा था।

निरीक्षण के बाद मुख्यालय में आयोग सदस्य विधि सलाहकार प्रकाश कुमार उइके ने प्रेस को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोग अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य के निर्देश पर टीम ने दो दिनों तक प्रभावित गांवों का दौरा किया। आयोग बच्चों की असमय हुई मौतों की जांच कर रहा है और हर पहलू की पड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित विभागों से दस्तावेज और रिकॉर्ड मांगे गए हैं।

एक सवाल के जवाब में उइके ने बताया कि मुख्य रूप से पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी), स्वास्थ्य, मलेरिया और महिला एवं बाल विकास विभाग की बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन विभागों की भूमिका की भी जांच की जाएगी कि आखिर कहां चूक होने से बच्चों की मौतें हुई। उइके ने यह भी बताया कि क्षेत्र में अशिक्षा और जागरूकता की कमी भी एक बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि जनजातीय विभाग, अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर योजनाओं को जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचाने का काम करता है, और बच्चों की मौत से जुड़े इस मामले में उसकी भूमिका की भी जांच की जाएगी।

एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी में युवा कनेक्ट कार्यक्रम

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ भोपाल तथा मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर शासकीय शंकर साव पटेल कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय वारासिवनी में गुरुवार 27 अगस्त को देशव्यापी युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेड़ाम के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम प्रभारी कृष्णा पराते के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक प्रदीप जायसवाल उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मलिंद नागपुरे एवं राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी कुलदीप पटले ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत आयोजित युवा कनेक्ट संवाद कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, खेल हस्तियों एवं राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ संवाद स्थापित किया।

मुख्य अतिथि प्रदीप जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को खिलाड़ी की भावना के साथ जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। खेल भावना से व्यक्तित्व एवं संपूर्ण विकास होता है और युवा देश एवं प्रदेश को विकसित बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी कुलदीप पटले का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन तहसील स्तर पर माई भारत के वालंटियर शशांक डोंगरे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बालाघाट प्रधान डाकघर में उपलब्ध पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुविधाओं का उठाएं लाभ

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

आम नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय डाक विभाग एवं विदेश मंत्रालय के सहयोग से बालाघाट प्रधान डाकघर में पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा के माध्यम से बालाघाट एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी कार्यों के लिए दूरस्थ केंद्रों पर जाने की आवश्यकता कम होगी। अधीक्षक डाकघर, बालाघाट संभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र में नए पासपोर्ट के लिए आवेदन, पासपोर्ट के पुनः जारीकरण तथा पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट सहित विभिन्न उपलब्ध पासपोर्ट सेवाओं के लिए आवेदन संबंधी सुविधा प्रदान की जाती है। केंद्र पर आवेदकों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा अपॉइंटमेंट से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाता है, ताकि नागरिक बिना किसी परेशानी के अपनी पासपोर्ट संबंधी प्रक्रिया पूरी कर सकें।

डाक विभाग का उद्देश्य पासपोर्ट सेवाओं को आम जनता के लिए सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाना है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर नागरिकों को अधिक से अधिक जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के पात्र नागरिक इस जनहितैषी सुविधा का लाभ उठा सकें।

बालाघाट जिले की आम जनता से अपील की गई है कि पासपोर्ट से जुड़े कार्यों के लिए अपने नजदीकी पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र से संपर्क करें और विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अधीक्षक डाकघर, बालाघाट संभाग, बालाघाट-481001 से संपर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 28 अगस्त 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण

कमीशन की कुश्ती में नपा के कार्यकारी अध्यक्ष की धुनाई!

सर्किट हाउस में लगी कमीशन क्लास, और हो गई लात-घूंसों की बौछार

सर्किट हाउस में खिंचे लात-घूंसे, ढाई लाख के एक्स्ट्रा डोज से डैमेज कंट्रोल!

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

सिवनी नगर पालिका अपने अजीबो-गरीब कारनामों, भ्रष्टाचार के रोज नए कीर्तमानों और कारगुजारियों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती है। लेकिन इस बार जो वाकया सामने आया है, उसने नपा की साख को पूरी तरह हंसी का पात्र बना दिया है। यह मामला केवल कागजी गड़बड़ी, घटिया निर्माण या किसी योजना में कमीशनखोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लड़ाई है उस अवैध कमीशन की बंदरबांट को लेकर, जिसमें नगर पालिका के कार्यकारी अध्यक्ष महोदय को सर्किट हाउस में अपनी ही पार्टी के पार्षद से दे दनादन पिटना पड़ गया।

कमीशन की इस जंग में हुई धुनाई की खबर जैसे ही सर्किट हाउस से छनकर बाहर आई, शहर के सियासी गलियारों में आग की तरह फैल गई। अब आलम यह है कि जो नपा विकास के दावों से जानी जानी चाहिए थी, वह अपने ही जिम्मेदार नुमाइंदों की सर्किट हाउस फाइटिंग को लेकर शहर भर में थू-थू करवा रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीते बुधवार की शाम शहर के सर्किट हाउस में सत्ताधारी दल (भाजपा) के पार्षदों और अघोषित सिंडिकेट के सदस्यों की एक गोपनीय बैठक बुलाई गई थी। इस हाई-प्रोफाइल बैठक में नगर पालिका के कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया को खास तौर पर तलब किया गया।

बैठक की मेज पर शहर के विकास का कोई एजेंडा नहीं था, बल्कि एजेंडा था, नगर में हाल ही में हुए निर्माण कार्यों का भुगतान, लीज नवीनीकरण की आड़ में वसूला गया मोटा कमीशन और उस रुके हुए पैसे की बंदरबांट! दरअसल, कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया कथित तौर पर कमीशन की एक बड़ी राशि को दबाकर बैठा था, जिसे लेकर पार्षदों का सब्र का बांध टूट चुका था। बातचीत चल ही रही थी कि अघोषित सिंडिकेट के एक असरदार सदस्य ने एक पार्षद से कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा पूर्व में दी गई गालियों का जिक्र छेड़ दिया। बस फिर क्या था! आग में घी पड़ चुका था। संबंधित पार्षद ने भरी बैठक में बिना किसी हिचकिचाहट के दबंगई दिखाते हुए स्वीकार किया, हाँ, दी थी गाली, और जरूरत पड़ी तो मुँह पर भी दे सकता हूँ!

यह सुनते ही बैठक का माहौल गरमा गया। मामला तू-तू, मैं-मैं से शुरू होकर सीधे हाथापाई तक पहुँच गया। गुस्से से आगबबूला पार्षद ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघते हुए नपा के कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया पर हाथ साफ कर दिया। कार्यकारी साहब की ऐसी ताबड़तोड़ धुनाई हुई कि बैठक में मौजूद अन्य नेताओं के हाथ-पांव फूल गए।

होटल हैरिटेज का नाइट शो, ढाई लाख के एक्स्ट्रा डोज से हुआ पैच-अप

सर्किट हाउस में फजीहत होने और बीच-बचाव के बाद मामला शांत कराया गया, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। साख बचाने और पार्टी की फजीहत को छुपाने के लिए तत्काल दूसरा अड्डा तय किया गया होटल हैरिटेज।

होटल हैरिटेज के बंद कमरे में चली बैठक में डील का नया खाका तैयार किया गया। सूत्रों का दावा है कि कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा दबाकर रखा गया कमीशन का पूरा पैसा सभी नाराज पार्षदों में बाकायदा बाँट दिया गया। लेकिन असली मोड़ तो तब आया जब धुनाई करने वाले दबंग पार्षद की खातिरदारी की गई। चर्चा है कि जिस पार्षद ने हाथ साफ किया था, उसे मामले को रफा-दफा करने और अपना मुंह बंद रखने की एवज में ढाई लाख रुपये का एक्स्ट्रा डोज (अतिरिक्त बोनस) थमाया गया।

डैमेज कंट्रोल का पॉलिटिकल फॉर्मूला, साथ घूमो ताकि बदनामी छिप सके

जब शहर में यह खबर पहुँची कि कमीशन की जंग में कार्यकारी अध्यक्ष की थुक्कम-फजीहत हो चुकी है, तो भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने तुरंत मैदान संभाला। नेताजी ने तुरंत हुक्म फरमाया कि इस थप्पड़कांड की आग को बुझाने के लिए 'डैमेज कंट्रोल' का नाटक रचा जाए। निर्देश दिए गए की कार्यकारी अध्यक्ष और धुनाई करने वाले पार्षद को अब शहर के मुख्य सार्वजनिक कार्यक्रमों में एक-दूसरे के गले में हाथ डालकर दिखना होगा, ताकि जनता में यह संदेश जाए कि मारपीट की खबर महज एक अफवाह है। राजनीतिक मजबूरी देखिए कि पिटने वाले अध्यक्ष और पीटने वाले पार्षद, दोनों चेहरे पर झूठी मुस्कान चिपकाकर शहर में एक साथ सद्भाव दिखाने निकलने को मजबूर हो गए।

राष्ट्रबाण का सवाल, अध्यक्ष साहब का नो-रिप्लाई

इस पूरे ड्रामे और शर्मनाक घटनाक्रम की धरातली वास्तविकता जानने के लिए जब राष्ट्रबाण की टीम ने नगर पालिका के कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया से उनके व्यक्तिगत मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की, तो साहब ने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। फोन न उठाना अपने आप में कई सुलगते सवाल छोड़ जाता है। अगर सर्किट हाउस में कोई हाथापाई या गाली-गलौज नहीं हुई, तो साहब मीडिया के सामने आकर सफाई देने से क्यों बच रहे हैं? क्या शहर के विकास का पैसा इसी तरह कमीशन की बैठकों में बंटता रहेगा? क्या ढाई लाख रुपये का एक्स्ट्रा बोनस नपा के इतिहास में मारपीट का नया रेट कार्ड तय कर रहा है? सिवनी की जनता अब सब समझ चुकी है। विकास के नाम पर कमीशन की जंग लड़ने वाले इन जनप्रतिनिधियों का यह घिनौना चेहरा अब पूरी तरह बेनकाब हो चुका है।

ज्ञानचंद सनोडिया,
कार्यकारी अध्यक्ष नपा : नगर पालिका के इतिहास का सबसे बेशर्म नेता।

कथित सिंडिकेट के ये मेम्बर थे शामिल

आरोप है की कमीशन के हिस्से के लिए बुलाई गई बैठा में भाजपा के पार्षदों और उनके परिजन उपस्थित थे। लेकिन इस पूरी बैठक में सिंडिकेट मेम्बर भी शामिल थे जिनमें संतोष नानू पंजवानी, रमाकांत राजू राय, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष और प्रेम तिवारी शामिल हुए थे।

सहकारी समिति एवं उचित मूल्य दुकान का किया निरीक्षण

अधिक शुल्क की शिकायत पर तत्काल जांच के निर्देश

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कुरई विकासखंड के ग्राम मोहगांव सड़क स्थित सहकारी समिति एवं उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर किसानों एवं आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जमीनी स्थिति देखी और अधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने खाद-बीज की उपलब्धता, उठाव एवं वितरण की स्थिति के साथ ही समिति की कार्यालयीन व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।

कलेक्टर श्रीमती मीना ने ई-विकास प्रणाली के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी लेते हुए किसानों द्वारा टोकन जनरेट किए जाने तथा उसके आधार पर खाद वितरण की प्रक्रिया को समझा। उन्होंने उपलब्ध खाद्यान्न एवं भंडार की स्थिति का जायजा लिया और व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच करने तथा शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्राम अरैया निवासी आवेदक धनराज कुशराम ने कलेक्टर को बताया कि उनका पुत्र ओमप्रकाश बहुदिव्यांग है, किंतु उसे पात्रतानुसार राशन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि समस्या के निराकरण के लिए ग्राम पंचायत एवं खाद्य विभाग में लगातार संपर्क करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। कलेक्टर श्रीमती मीना ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित सचिव एवं जेएसओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

समिति की व्यवस्थाओं में लापरवाही पर समिति प्रबंधक को नोटिस

निरीक्षण के दौरान समिति स्तर पर टोकन जनरेट करने सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने तथा कार्यालयीन व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार नहीं होने की स्थिति सामने आने पर कलेक्टर श्रीमती मीना ने समिति प्रबंधक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को समिति की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने तथा किसानों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सिवनी के ग्राम सिमरिया में शासकीय स्कूल और प्राचीन दुर्गा मंदिर परिसर पर कब्जा

ग्रामीणों ने तहसीलदार से की एफआईआर की मांग

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

ग्राम पंचायत खैरी के सिमरिया के ग्राम सिमरिया में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे और असामाजिक गतिविधियों को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने एकत्रित होकर तहसीलदार सिवनी को आवेदन सौंपकर शासकीय स्कूल परिसर एवं प्राचीन दुर्गा माता देवी मंदिर परिसर को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराने और दोषियों पर मामला दर्ज करने की गुहार लगाई है।

आवेदन के अनुसार, गांव की ही निवासी अनीता मर्सकोले पति संतराम मर्सकोले द्वारा मंदिर व स्कूल की सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से टीन शेड व दुकान बनाकर कब्जा कर लिया गया है। ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने धार्मिक मर्यादा व पवित्रता भंग करने के आरोप लगाते हुए बताया कि मंदिर परिसर के निकट मांसाहारी चीजों और नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री की जा रही है। साथ ही, मंदिर के ठीक सामने गैस चूल्हा रखकर चाय-नाश्ता बनाया जा रहा है, जिससे धार्मिक स्थल की पवित्रता प्रभावित हो रही है।

सनातन धर्म मे पीपल वृक्ष की पूजा-पाठ की जाती है जिसमे बाधा उत्पन्न हो रही है, मुख्य मंदिर के बाजू में स्थित पवित्र पीपल वृक्ष के सामने बड़ा टीन शेड बना दिए जाने से ग्रामीणों को परिक्रमा और नियमित पूजा-अर्चना में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वही स्कूल परिसर में नशीली वस्तुओं की बिक्री से विद्यार्थियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा, प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली 'दशहरा व्यायामशाला' के अभ्यास तथा पारंपरिक मड़ई मेले के आयोजन में अतिक्रमण के कारण भारी बाधा आ रही है। दुकान पर दिन-रात नशा करने वाले बाहरी तत्वों की आवाजाही से स्कूल आने-जाने वाले बच्चों और मंदिर आने वाली महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

तहसीलदार ऑफिस में शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीण।

ग्रामीणों की मांगें

- राजस्व व पुलिस टीम भेजकर तत्काल मौका-मुआयना और सीमांकन कराया जाए।
- अवैध टीन शेड व दुकान को ध्वस्त कर शासकीय व मंदिर परिसर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाए।
- धार्मिक पवित्रता भंग करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने व अवैध गतिविधियों के संचालन पर संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ने वैनगंगा नदी के उद्गम स्थल का किया अवलोकन

पर्यटन विकास की संभावनाओं पर की चर्चा

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

कुरई विकासखंड के भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने ग्राम मुंडारा स्थित वैनगंगा नदी के उद्गम स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने उद्गम कुंड, प्राचीन मंदिरों तथा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व वाले इस स्थल के अवलोकन के दौरान उन्होंने भगवान शिव के प्राचीन मंदिर में पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

कलेक्टर श्रीमती मीना ने मौके पर उपस्थित नागरिकों से भी संवाद किया और वैनगंगा नदी के उद्गम स्थल के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के साथ ही इसे पर्यटन की दृष्टि से विकसित किए जाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्थानीय नागरिकों के सुझाव भी सुने और स्थल की प्राकृतिक सुंदरता को बरकरार रखते हुए आवश्यक सुविधाओं के विकास पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सुंदरता से जुड़े ऐसे स्थलों को सुविधायुक्त रूप में विकसित करने से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। इससे क्षेत्र की पहचान को नई दिशा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसर भी विकसित हो सकते हैं।

कलेक्टर ने उद्गम स्थल के सौंदर्यीकरण के साथ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए बैठने हेतु बेंच, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इन कार्यों के लिए पर्यटन विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही एवं संभावनाओं का परीक्षण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

'सिवनी की उड़ान' से वर्दी के सपनों को पंख, बेटियों ने बढ़ाया सफलता की ओर कदम

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की पहल एवं मार्गदर्शन में संचालित 'सिवनी की उड़ान' परियोजना के अंतर्गत पुलिस भर्ती, अर्द्धसैनिक बलों एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण का द्वितीय दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

द्वितीय दिवस में जिले के विभिन्न विकासखंडों कुरई, केवलारी, घंसौर, छपारा, धनौरा, बरघाट एवं लखनादौन से कुल 165 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण एवं परीक्षण के दौरान बालिकाओं की ऊंचाई सहित विभिन्न शारीरिक दक्षता मानकों का आकलन किया गया तथा आगामी लिखित एवं शारीरिक परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इस पहल के नोडल विभाग जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजन के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस एवं होमगार्ड विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा सिवनी फुटबॉल स्टेडियम समिति का विशेष सहयोग रहा। सभी सहयोगी विभागों एवं समिति का हार्दिक आभार।

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, युवाओं को उद्यमिता का मिला संदेश

जनविश्वास शिविर में गांव तक पहुंचा प्रशासन

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत कुरई विकासखंड के ग्राम धोबीसर्रा में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याएं एवं आवेदन अधिकारियों के समक्ष रखे, जिन पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं निराकरण के निर्देश दिए गए।

शिविर में विधायक कमल मर्सकोले, कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना, पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी, डीएफओ गौरव मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य तेजसिंह रघुवंशी, जनपद अध्यक्ष लोचन सिंह मर्सकोले, उपाध्यक्ष हरदीप भाटिया सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके बाद उद्यम संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपना व्यवसाय स्थापित करने वाले युवा उद्यमियों ने योजनाओं से मिले सहयोग और अपने अनुभव साझा किए। युवा उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा कर अन्य युवाओं को भी शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

लाभ लेकर युवाओं ने स्थापित किए उद्यम

उद्यम संवाद के दौरान एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के हितग्राही श्री लक्ष्मण साहू ने 73 लाख रुपये की लागत से राइस मिल स्थापित करने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत ग्राम धोबीसर्रा के मयूर चौधरी ने लोहा-सीमेंट व्यवसाय के लिए 8 लाख रुपये का ऋण प्राप्त कर अपना व्यवसाय प्रारंभ किया। इसी प्रकार आचार्य विद्यासागर गो संवर्धन योजना के अंतर्गत श्रीमती सुलोचना सराठे को 6 लाख रुपये का लाभ मिला।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायलयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433